हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हैट्रिक पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाई। भाजपा की विजय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वयं जलेबी बनाकर खिलाई।

भजनलाल के नेतृत्व में हरियाणा की जीत का भारी हर्षोल्लास दिखा भाजपा मुख्यालय पर

भजनलाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत की खुशी में अपने हाथ से जलेबियाँ बनाकर खिलाईं

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा की भारी जीत के लिये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा की पूरी टीम, हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा राजस्थान के कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की व बधाई दी।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सैनी के विज़न पर फिर से विश्वास जताया है। वहां के जागरुक मतदाता ने विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लिए वोट देकर बड़े जनादेश के साथ भाजपा को जिताया है। इसके लिए वहां की जनता बधाई की पात्र है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं और जो करते हैं, वही कहते हैं। इसलिए पूरे देश की जनता में उनके प्रति अटूट विश्वास है। जबकि, कांग्रेस लूट, झूठ और अफवाहों का सहारा लेकर राजनीति करती है। आज हरियाणा की जनता ने कांग्रेस की इस राजनीति को नकार कर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गया था, तो वहां की जनता के भारी उत्साह को देखकर मैंने साफ कहा था कि हरियाणा में भाजपा की जीत की हैट्रिक बनेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होने जा रहे चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी। यहां तक कि, 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा चौथी बार भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा की पूरी टीम को इस जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के कार्यकर्ताओं को भी हरियाणा चुनाव में की गई अथक मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने जिन विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, उनमें से असंध में भाजपा 2 हजार 306 मतों से, समालखा में 19 हजार 315 मतों से, तोशाम में 14 हजार 257 मतों से, इन्द्री में 15 हजार 149 मतों से, राई में 4 हजार 673 मतों से विजयी रही, जबकि लोहारू में कांग्रेस ने केवल 792 मतों से जीत हासिल कर पाई।

नियमों में संशोधन कर राजस्व प्रकरण जल्दी निपटायें- मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के नियम विरुद्ध भू-आवंटन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

- **राजस्व व उपनिवेशन विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीनेट अथॉरिटी के कामकाज पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये।**
- **उन्होंने पर्यटन तथा एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजैक्ट के लिये निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कंवर्ज़न के नियम बनॉने के आदेश दिये।**

जयपुर, 8 अक्टूबर। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैटक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएं, ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

उन्होने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट अथॉरिटी की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए, इसके सुचारू संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरूद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने पयर्टन एवं एग्रो प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन डीम्ड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश दिए, ताकि वर्तमान में मिल रही कन्वर्जन छूट का दुरूपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन के लिए एक लैण्ड बैंक स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लैण्ड कन्वर्ज़न पोर्टल संचालित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काश्तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पटवारी एग्रीटैक ऐप के माध्यम से ई-गिरदावरी कर रहे हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा एवं राज्य मंत्री विजय सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गैरा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मंदिर से घर आते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर हमला कर दिया। पैंथर के हमले से दोनों बाइक से गिर गए, लेकिन सड़क पर अन्य वाहनों की आवाज से पैंथर भाग गया।

हमले के शिकार साकरोदा निवासी महेन्द्र सिंह ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ आशापुरा माताजी मंदिर के दर्शन करने गए थे। रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौटते समय माताजी मंदिर के पास ही साकरोदा-भल्लो का गुडा मार्ग पर पहाड़ी की झाड़ियों में से निकलकर अचानक पैंथर ने उनकी बाइक पर झपट्टा मार दिया।

पैंथर बाइक के आगे के मास्क से टकराया और पति-पत्नी नीचे गिर गए। महेद्र सिंह ने बताया कि पैंथर उनकी तरफ बढ़ता उससे पहले ही रोड पर कुछ लोग आ गए।

उनके शोर मचाने से पेंथर भाग गया। दोनों के हाथ -पैरों पर हल्की चोट आई हैं और बाइक के आगे का मास्क टूट गया है। ग्रामीणों ने इस स्थान पर पिंजरा लगाने की मांग की है। लोगों ने बताया कि पहले भी यहां खेत पर एक महिला पर पैंथर ने हमला कर दिया था, उसके बाद यह दूसरी घटना है।

हरियाणा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रचार के आरम्भ में ही महसूस हो गया था कि उनके व्यक्तिव का जादू काम नहीं कर रहा है, इसलिए उन्होंने पाँच जनसभाओं को सम्बोधित करने के बाद, स्वयं को प्रचार अभियान से दूर कर लिया तथा जन-आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को उभारने के लिये अन्य मन्त्रियों को आगे कर दिया था।

हालाँकि केवल एक राज्य के चुनाव परिणाम व्यापक सन्दर्भ में बहुत ज्यादा अर्थ नहीं रखते, लेकिन हरियाणा के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये चुनाव भाजपा की हार के लिए पूरा-पूरा आधार प्रस्तुत कर रहे थे। पार्टी एक ऐसे राज्य में लगातार दो बार सत्ता में रह चुकी थी, जहाँ कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार नहीं जीती है। पार्टी को, कृषक-विरोध के बाद, दबदबे वाले जाट समुदाय के विरोध का भी सामना करना था। राज्य के पहलवानों का विरोध भी पार्टी की स्थिति को बहुत खराब करने वाले कारक के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि हरियाणा में खेलों का बहुत ज्यादा महत्व है। भाजपा को चुनावों से ठीक पहले राज्य के शीर्ष पद पर आसीन मनोहर लाल खट्टर को पद से हटाना पड़ा था, क्योंकि वे मतदाताओं में अलोकप्रिय होते जा रहे थे। तथा पार्टी को एक नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना था, जो अपने मुख्य प्रतिद्वन्द्वी, कांग्रेस नेता भूपिन्दर सिंह हुड्डा के कद के समकक्ष नहीं थे। और सबसे ऊपर, एग्ज़िट पोल्स तथा जनमानस एवं जनभावनाएं कांग्रेस के पक्ष में थीं। लोकसभा चुनाव परिणामों, खासतौर से उत्तर प्रदेश के परिणामों, जहाँ भाजपा ने विपक्षी दलों के हाथों बड़ी हार झेली थी, से हतोत्साहित हुए कार्यकर्ताओं के मनोबल में उछाल आने के साथ ही, हरियाणा की जीत से पार्टी की छवि उन मतदाताओं में भी सुधरेगी, जो पिछले कुछ महीनों से भाजपा के पतन तथा इंडिया ब्लॉक के उत्थान के किस्से सुन रहे थे।

दूसरी तरफ, इससे विपक्षी ब्लॉक में भी कुछ वैमनस्य पैदा होगा, क्योंकि विपक्षी ब्लॉक अपनी चुनावी रणनीति तथा सीट-शेयरिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार एवं उसका पुनर्मूल्यांकन करने के लिये बाध्य हो जायेगा, क्योंकि कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी के प्रभुत्व को हरियाणा की हार से क्षति पहुँचेगी।

यह स्वीकार करना ही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को निराशा हाथ लगी।

हूडा गुट ने हरियाणा में आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी व अन्य छोटे दलों को साथ लेने से साफ इन्कार कर दिया, यही नहीं पार्टी में भी उन्होंने विरोधियों से तालमेल नहीं किया, जिसकी वजह से भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इस समय उन 17 सीटों के डेटा उपलब्ध हैं जहाँ कांग्रेस मामूली अंतर से हारी है। इस हार को जीत में बदला जा सकता था अगर पार्टी ने जमीनी हकीकत और समय की मांग को स्वीकार किया होता।

हूडा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपने इस दावे पर यकीन दिला दिया कि अन्य पार्टियों की मांगे उचित नहीं हैं। इस प्रकार उन्होंने लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन के लिए जो अनुकूल माहौल बना था उसे पलट दिया।

प्रदेश नेतृत्व ने हरियाणा को पूरी तरह से अपने पास रखना चाहा और राष्ट्रीय हित के लिए भी अन्य दलों की मांगे स्वीकार नहीं की। प्रदेश नेतृत्व खासकर हूडा पूरी तरह जाट वोटों पर निर्भर रहे, उन्होंने ओ.बी.सी. और दलित वोट बैंक की पूर्ण अनदेख की।

पार्टी में जो खुशी का माहौल था वह मंगलवार सुबह नतीजे आने के साथ ही दुख में बदलने लगा और दोपहर तक जब स्पष्ट हो गया कि पार्टी हार रही है तो पार्टी मुख्यालय में मायूसी छा गई।

- **ऐसा लगा कि प्रदेश के नेताओं की पूरी कोशिश इसी दिशा में लगी कि कैसे हरियाणा की राजनीति के अखाड़े पर उनका एकाधिकार रहे, कोई बाहरी व्यक्ति इस अखाड़े में दखंलदाजी न कर पाये।**

कांग्रेस को भारी जीत की उम्मीद थी, जिसकी भविष्यवाणी एग्ज़िट पोल्स ने भी की थी। सुबह 9 बजे जब शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे चल रही थी तब पार्टी मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ता पटाखे चला रहे थे और जलेबी बांट रहे थे, पर 10 बजे जब रुझानों में भाजपा के आगे निकलने की बात सामने आई तो ढोल, मिठाई पटाखे सब गायब हो गया। नेताओं के चेहरे पर मायूसी छाई हुई थी।

पार्टी ऑफिस में कुछेक नेता और मीडिया वाले ही थे, कुछ नेता इस हार के लिए ई.वी.एम. को दोषी ठहराते हुए दिखे तो कुछ ने टिकट वितरण को दोषी ठहराया, पर इस हार पर सभी हैरान थे।

एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, भारी सत्ता विरोधी लहर थी, हमें यकीन नहीं हो रहा आखिर ये क्या हुआ।

ओलम्पिक खिलाड़ी पहलवान विनेश फोगाट जीत गईं, उन्होंने जुलाना से अपने विरोधी भाजपा के योगेश कुमार को हराया।

मंगलवार दिन में दो बजे भाजपा 47 सीटों पर आगे थी और कुछ पर जीत गई थी, कांग्रेस 38 सीटों पर आगे थी। कई एग्ज़िट पोल्स ने हरियाणा में कांग्रेस की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी।

जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस को निराशा मिली हैं। हालांकि, नैशनल कॉन्फ्रैंस को बहुमत मिला है, पर कांग्रेस 6 सीटें ही जीत पाई।

अन्ततोगत्वा कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा चुनाव प्रबंध कांग्रेस से काफी बेहतर है और कांग्रेस में भारी गुटबाजी है।

जम्मू-कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रैंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया

नैशनल कॉन्फ्रैंस ने 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस 6 सीट ही जीत पाई

श्रीनगर/जम्मू, 08 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के हटने और एक दशक के बाद हुए विधानसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रैंस (एन.सी.)-कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया है।

केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा की 90 सीटों में से एन.सी.-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं, जिससे बहुमत का आंकड़ा 46 पार हो गया। वरिष्ठ राजनेता फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में एन.सी. ने 42 सीटें हासिल कीं, जिनमें कश्मीर क्षेत्र से 35 और जम्मू से सात सीटें शामिल हैं। कश्मीर घाटी में एन.सी. ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एन.सी. के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गंदेरबल,दोनों सीटों पर जीत हासिल की है।

चुनाव नतीजों पर टिप्पणी करते हुए एन.सी. अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये केन्द्र के पांच अगस्त, 2019 के कदम (जिसने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था) की स्पष्ट अस्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। विधानसभा चुनावों में एन.सी. की सहयोगी कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया है और पार्टी सिर्फ छह सीटें ही जीत सकी है, जिनमें से पांच कश्मीर क्षेत्र से आईं। जम्मू में कांग्रेस ने सबसे खराब प्रदर्शन किया और पार्टी केवल राजौरी (एस.टी.) सीट जीतने में सफल रही। इसकी तुलना में कांग्रेस ने 2014 के चुनावों में जम्मू से पांच सीटें जीती थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू में अपना प्रभुत्व बनाए रखा है। पार्टी ने जम्मू क्षेत्र से 29 सीटें जीती हैं। पार्टी कश्मीर से एक भी सीट जीतने में विफल रही। भगवा पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उलटफेर तब हुआ, जब भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा से अपनी सीट हार गए।

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विजया पारीक ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता के भाई ने 1 फरवरी 2020 को विराट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी बहन का साल 2005 में विवाह कर दिया था। वहीं, बीते 8 माह से वह अपने पीहर में ही आकर रह रही थी। आज सुबह जब परिजन उठे तो पीड़िता घर पर नहीं मिली। उसे आसपास और रिश्तेदारों के यहाँ तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को करीब 25 दिन बाद गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश किया।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घटना के कुछ दिनों पहले उसका परिचित कानाराम घर आया था। उस समय वह बिना किवाड़ के बाथरूम में नहा रही थी और घर पर कोई नहीं था। इस दौरान कानाराम ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया।

इसके कुछ दिनों बाद, कानाराम, विक्रम सिंह के साथ आया और दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि 31 जनवरी, 2020 को देर रात को विक्रम ने उसे फोन कर बाहर बुलाया और इसके बाद वह और मुकेश उसे बाइक पर बैठाकर गिर्राज जी ले गए।

यहां धर्मशाला में दोनों ने उससे दुष्कर्म किया। इसके दो दिन बाद, वे उसे जयपुर के पांच्यावाला ले गए। वहां उसे एक कमरे में रखा गया। जब मुकेश बाहर जाता तो विक्रम उससे दुष्कर्म करता और विक्रम के बाहर जाने पर मुकेश उससे रेप करता। ऐसा करीब बीस दिन तक चला और आखिर में पुलिस आकर उन्हें ले गई।

50 सीनियर डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया

कोलकाता, 8 अक्टूबर। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टर्स ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स के समर्थन में रिजाइन कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया।

जाट-नॉन जाट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभव नहीं है क्योंकि वोटिंग मशीनें जनता से दूर सुरक्षित स्थानों पर थीं) वहाँ भाजपा जीती, जबकि, जहाँ ई.वी.एम. बैटरी 60 से 70 प्रतिशत थी, वहाँ कांग्रेस जीती है।

भाजपा ने कहा, जब भी कांग्रेस हारती है, वो ऐसे ही आरोप लगाती है।

पार्टी के अंदर आपसी मतभेदों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री की दौड़ में लगे रहे, कुमारी सैलजा रुठी रहीं और चुनाव अभियान में शामिल नहीं हुई क्योंकि उन्हें हूडा से कम टिकट मिले थे।

कांग्रेस के कई नेता, पार्टी के दलित वोट दूर जाने के लिए सैलजा को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। जबकि, सैलजा का आरोप है कि हूडा जिम्मेवार है क्योंकि उन्होंने सब कुछ अपने हाथ में ही रखा।

जम्मू में कांग्रेस ने भाजपा से समझौते कर खुद को ही नुकसान पहुंचाया। यहां कांग्रेस के कई नेताओं के खिलाफ केस चल रहे हैं और वे भाजपा के साथ मेलजोल रखे हुए।

ए.आई.सी. महासचिव भरत सिंह सोलंकी ने तो कथित रुप से पूरी तरह से भाजपा का ही कहा मान रहे थे और उन्होंने ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दिया जिससे भाजपा को फायदा हो।

कांग्रेस नेता गुलाम मोहम्मद मीर ने भी संदिग्ध भूमिका निभाई क्योंकि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते थे और उन्हें पार्टी को गुमराह किया।

अब समय आ गया है कि राहुल गांधी बैठकर विचार करें कि पार्टी में कहां गड़बड़ हो रही है। लोकसभा चुनावों से जो फायदा मिला है वह हाथ से निकल जो इससे पहले ठोस कदम उठाना होगा। हरियाणा की हार कांग्रेस का भारी नुकसान है इसका असर झारखंड और महाराष्ट्र पर भी पड़ सकता है।

दो अमरीकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आर्टिफीशियल न्यूरल नैटवर्क्स के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए दिया गया है।

नोबल एकेडमी ने अपने बयान में कहा कि इन वैज्ञानिकों ने अपनी खोज में फीजिक्स के टूल्स का इस्तेमाल किया है। होपफील्ड ने प्रिंसटन युनिवर्सिटी में अपना शोध किया। उन्होंने नैटवर्क विकसित किया जो डेटा में तस्वीरों व अन्य पैटर्न को सुरक्षित रख सकता और रीक्रिएट कर सकता है। इसे होपफील्ड नैटवर्क नाम दिया गया है।

होपफील्ड नैटवर्क भौतिकी पर आधारित है, विशेष रुप से यह बताता है परमाणुओं के अंदर छोटे चुंबक कैसे व्यवहार करते हैं।

ज्यॉफ्री हिंटन युनिवर्सिटी ऑफ टॉरंटो के हैं, उन्होंने हॉपफील्ड नैटवर्क का प्रयोग करके एक नया नैटवर्क विकसित किया जो एक अलग मैथड बोल्ट्जमैन मशीन का प्रयोग करता है। यह विभिन्न आंकड़ों में महत्वपूर्ण विशेषताओं को पहचानना सीखती है।

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की बातों का उपयोग गलत विचार रखने वाले लोग वहाँ उस प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए कर सकते हैं, जहाँ अभी मतगणना हो रही है, अर्थात अधिकांश मतगणना केन्द्रों में इसका गलत उपयोग हो सकता है।"

चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि सभी सीटों के करीब 25 राउन्डों की मतगणना की जानकारी हर पाँच मिनट पर अपडेट की जा रही है। अपने जवाब में चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि आयोग "गैर जिम्मेदाराना, निराधार तथा अपुष्ट एवं दुर्भावनापूर्ण कथनों को विश्वनीयता प्रदान करने के आपके (रमेश जी के) अप्रत्यक्ष प्रयास को साफ तौर पर खारिज करता है।"

शाम को करीब 5 बजे एक प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते हुए, रमेश ने कहा, "हरियाणा के परिणाम पूरी तरह अप्रत्याशित, पूरी तरह चौंकाने वाले तथा सहजबोध के प्रतिकूल हैं। ये वास्तविकता के विरुद्ध हैं। ये हरियाणा के लोगों के उस दृढ़ निश्चय के विरोधी हैं, जो उन्होंने बदलाव एवं परिवर्तन के लिए किया था। इन परिस्थितियों में, आज घोषित हुए परिणामों को स्वीकार करना हमारे लिए सम्भव नहीं है। हमने आज हरियाणा में जो कुछ देखा, वह गड़बड़ी की जीत, जनता की इच्छा को नष्ट किए जाने की जीत, तथा पारदर्शी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की हार है। हरियाणा का अध्याय अभी पूरा नहीं हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "आज दोपहर बाद पूरे समय, मैं चुनाव आयोग के सम्पर्क में रहा हूँ। उन्होंने मेरी शिकायतों का उत्तर दिया है। मैंने उस उत्तर का प्रत्युत्तर दिया है। हमें मतगणना की प्रक्रिया तथा हरियाणा के कम से कम तीन जिलों में इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स (ई.वी.एम.) के कार्य करने के बारे में बहुत गम्भीर शिकायतें मिली हैं। जितनी शिकायतें हमारे पास आ रही हैं, शिकायतें उनसे कहीं बहुत ज्यादा हैं। हम ये सारी जानकारियाँ तथा शिकायतें इकट्ठा कर रहे हैं तथा इन्हें आज या कल चुनाव आयोग के सम्मुख रखेंगे।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी को इस तथ्य को आत्म-परीक्षण की जरूरत है कि उसके 16 वर्तमान विधायक हरियाणा में चुनाव हार गए हैं तथा जम्मू-कश्मीर के चुनाव भी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठजोड़ के चलते ही जीते जा सके हैं, तो उन्होंने उत्तर दिया कि आत्म-निरीक्षण का समय भी आयेगा। लेकिन उन्होंने कहा, "इस समय इसे महत्वपूर्ण चीज पर यह है कि जीत हमसे छीन ली गई है। तन्त्र का दुरुपयोग किया गया है।"

कांग्रेस नेता ने प्रारम्भिक रिपोर्ट्स के आधार पर कहा कि हरियाणा की 12-14 सीटें ऐसी हैं, जहाँ उम्मीदवारों ने गम्भीर प्रश्न उठाये हैं तथा ये प्रश्न मतगणना प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा तथा ई.वी.एम. के काम करने के विषय में हैं। यह पूछे जाने पर, कि क्या पार्टी कानून का सहारा लेगी, रमेश ने कहा कि हम सबसे पहले तो चुनाव आयोग के पास जायेंगे तथा फिर पार्टी विचार करेगी कि उसके क्या करने की जरूरत है। उन्होंने घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, "ई.वी.एम. की व्यवस्था की इन मशीनों की सत्यनिष्ठा तथा स्थानी प्रशासनिक अधिकारियों पर असाधारण दबाव से संबंधित गम्भीर सवाल हैं। हरियाणा में "डबल इंजन" सरकार रही है, इसलिए "डबल इंजन" दबाव है। जो लोग अच्छे-खासे अन्तर से बढ़त लिए हुए थे, वे 50, 100, 250 वोटों से हार गए हैं। यह केवल गड़बड़ी और दबाव के चलते ही हो सकता है।"

प्रैस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पार्टी को हिसार, महेन्द्रगढ़ तथा पानीपत जिलों से लगातार शिकायतें मिलती रहीं। उन्होंने नारनौल उम्मीदवार राव नरेन्द्र सिंह का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "जिन ई.वी.एम. मशीनों में 99 प्रतिशत बैटरी थीं, उनके द्वारा दिए गए परिणाम हमारे खिलाफ थे, तथा जिन मशीनों में 60-70 प्रतिशत बैटरी थी तथा जिन्हें स्पर्श नहीं किया गया था, वे सामान्य रूप से काम कर रही थीं तथा उनके परिणामों में हमारे उम्मीदवार विजयी रहे। हमारे उम्मीदवारों ने रिटर्निंग अफसरों को भी शिकायतें दी हैं। हम जल्दी ही चुनाव आयोग जायेंगे। "ये तन्त्र की जीत है, लोकतन्त्र की हार है।" खेड़ा ने आगे कहा, "हमने यह नहीं कहा है कि सभी मशीनें दोषपूर्ण हैं। हमने यह भी नहीं कहा है कि हरियाणा की सारी मशीनें दोषपूर्ण हैं। लेकिन गड़बड़ी हुई है, ...। आप मुझे बताएं : ये मशीनें इतने दिनों से पड़ी हुई हैं, इन सबमें स्टैन्डर्ड 99 प्रतिशत बैटरी कैसे हो सकती है? ऐसा नहीं कि शिकायतें दोपहर बाद शुरू हुईं, शिकायतें एक भी परिणाम आने से पहले ही कर दी गई थीं। राव नरेन्द्र सिंह तथा हमारे पानीपत उम्मीदवार हमें शिकायतें करना तभी शुरु कर दिया था, जब उन्हें बढ़त हासिल थीं।" जब एग्ज़िट पोल्स की भविष्यवाणी में कांग्रेस की आसान जीत बताई गई थी, उसके बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनायेगी तथा भविष्यवाणी की थी कि कांग्रेस ई.वी.एम. पर दोषारोपण करेगी। सैनी ने कहा था, "आठ तारीख को जनता देगी जवाब, और ये कहेंगे ई.वी.एम. है खराब।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908